खबर संक्षेप

जुआ खेलते एक आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्रांतर्गत 11 जून को कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम बंडी में कुछ व्यक्ति तास के पत्तों से हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर आरोपी जीवनलाल पटेल पिता रामपाल पटेल उम्र 30 वर्ष वगैरह 01 नफर सभी निवासी धनपुरी के आरोपियों के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1230 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

मुंहे बोले चाचा ने रिश्ते को किया शर्मसार

उमरिया। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मुंह बोले चाचा ने जंगल में ले जाकर भतीजी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। दुष्कर्म करने का वीडियो बनाकर उसे वॉयरल करने की धमकी दी गई। घटना के संबंध में बताया कि बच्ची जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी सहेली के यहां जाकर छुप गई, लेकिन उक्त द्वारा उस लडक़ी के साथ मारपीट की गई, स्थानीय लोगों के प्रयास से उक्त लडक़ी बचाया जा सका। जिसके बाद बच्ची ने अपने माता-पिता के बारे में जानकारी दी। जानकारी लगते ही तत्काल मौके पर बच्ची के माता-पिता पहुंचे और बच्ची को उसकी सहेली के साथ थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाना प्रभारी ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी के विरूद्ध पास्को एक्ट सहित दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

वार्ड नंबर 5 के 200 परिवार वर्षों से जी रहे इस तरह की जिंदगी

सबसे धनी नगर पालिका के वाशिंदों की पानी के लिए 4 बजे उठना मजबूरी

संभाग की सबसे धनी नगर पालिका का एक वार्ड ऐसा भी है जहां के लगभग 200 परिवारों को पानी भरने के लिए सुबह 3:30 बजे उठना पड़ता है, हालांकि नपा प्रबंधन का दावा है कि यह समस्या महज तीन से चार माह और चलेगी, उसके बाद सातों दिन 24 घंटे सभी वार्डों में पानी की उपलब्धता सहज रूप से मिल सकेगी, जो प्रदेश भर में सबसे अलग होगी।

बुधवार की सुबह महिलाओं के धरने के बाद सामने आई जानकारी

4 माह बाद 24 घंटे सातों दिन सभी वार्डों में भरपूर पानी की उपलब्धता का दावा

धनपुरी। करोड़ों के वार्षिक बजट और कोल इंडिया से राजस्व के रूप में हर साल करोड़ों रुपए अर्जित करने वाली शहडोल संभाग की सबसे धनी नगर पालिका धनपुरी भले ही ऊपरी तौर पर कितनी ही साफ सुथरी और आधुनिक तथा चमक दमक भरी नजर आए, लेकिन अंदर ही अंदर इस नगर पालिका के वाशिंदे पानी जैसी मौलिक आवश्यकता से जिस प्रकार जूझ रहे हैं, वह अपने आप में इस नगर पालिका को अन्य निकायों की तुलना में सबसे पीछे ले जाकर खड़ी करती है, यह मामला तब सामने आया जब बुधवार की सुबह वार्ड नंबर 5 की महिलाओं ने स्थानीय फिल्टर प्लांट के सामने अपने खाली बर्तन रख दिए और यह आरोप लगाया कि उन्हें पानी नहीं मिल रहा है, महिलाओं ने कहा कि एक महीने से शिकायत की जा रही है, लेकिन व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो रही है, उन्होंने नगर पालिका के वार्ड नंबर 5 स्थित फिल्टर प्लांट में लगे ताले को खोलने से रोका और उन्होंने कहा कि अध्यक्ष हमारी समस्या आकर देखें, एक महीने से लगातार परेशान है, समस्या का हल नहीं हो रहा है, यह मामला प्रकाश में आने के बाद नगर पालिका प्रबंधन हरकत में आया और स्थानीय वार्ड पार्षद एवं अध्यक्ष तथा सीएमओ एवं नल-जल की व्यवस्था देख रहे विभाग को उन परिवारों के लिए अलग पाइपलाइन की व्यवस्था कर समस्या को तत्काल हल करने का प्रयास किया, लेकिन इस बीच यह बात भी सामने आई कि वार्ड वासियों को नगर पालिका द्वारा सुबह 3:30 बजे पानी दिया जाता है, जिसके लिए उन्हें रोज उठना पड़ता है और यह प्रक्रिया बीते कई सालों से चल रही है।

करोड़ों का बजट हुआ बेमानी

नगर पालिका धनपुरी में हर वर्ष विकास के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, वार्ड नंबर 5 में रहने वाले कांग्रेस नेता सूर्य प्रताप सिंह कहते हैं कि वार्ड नंबर 5 में फिल्टर प्लांट के द्वारा सुबह 4:00 बजे पानी का नल चालू किया जाता है, जो 5:30 तक चलता है, वार्ड वासियों की आपूर्ति ठीक ढंग से हो सके, इसके लिए 4:00 की जगह 3:30 पर ही पानी चालू करके आधा घंटा अतिरिक्त पानी दिया जाता है, यह व्यवस्था एक या दो महीने की नहीं बल्कि बीते कई वर्षों की है, वार्ड नंबर 5 के जिस हिस्से में सुबह 3:30 बजे पानी सप्लाई शुरू होता है, यहां लगभग 200 परिवार इस व्यवस्था को बीते कई वर्षों से अपनी नियति बन चुके हैं। सवाल यह उठता है कि धनपुरी के विकास के सैकड़ो दावे किए जाते हैं, हर माह करोड़ों रुपए की सडक़, वाटर पार्क, स्टाप डेम,स्टेडियम और अन्य ऐसी योजनाएं बनाई जा रही है , जो शहडोल ही नहीं पूरे संभाग में अद्वितीय हैं, बावजूद आज भी यहां के लगभग 200 परिवार पानी जैसी मौलिक आवश्यकता के लिए सुबह 3:30 बजे उठना पड़ता है और अब यह समस्या उनकी नियति बन चुकी है।

यह है महिलाओं के आरोप

बुधवार की सुबह वार्ड नंबर 5 की दर्जन भर महिलाएं फिल्टर प्लांट के गेट पर पहुंच गई और उन्होंने कहा कि जब तक उनकी समस्या सुनी नहीं जाती, तब तक यहां लगा ताला खोलने नहीं दिया जाएगा, बुजुर्ग महिला गिरीजा बाई ने कहा कि 3:30 बजे रात नल चलाते हैं, 2 इंच का पाइप है और 15 घर में पानी सप्लाई होता है, पानी का बहाव इतना तेज नहीं होता कि वह ऊपर लगी टंकी पर चला जाए, जिस कारण मजबूरी में उन्हें यहां आना पड़ता है, वहीं साजिदा बेगम कहती है कि एक महीने से यह समस्या काफी बढ़ चुकी है, रोज शिकायत करते हैं, अब तो कपड़े भी यही आकर धोना पड़ता है, बच्चों को भी फिल्टर प्लांट के बाहर लगे नल में नहलाना पड़ता है, परिषद की अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधि आकर देखें हमारी समस्या काफी गंभीर है।

हर दिन देंगे एक करोड़ 10 लाख लीटर पानी

इस पूरे मामले में नगर पालिका परिषद धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंद्र कौर छाबड़ा कहती है कि गर्मी के दिनों में समस्या बढ़ जाती है, एक-एक वार्ड को दो-तीन भागों में अलग-अलग कर कर सप्लाई की जाती हैं , पानी क्रमशः सबको दिया जाता है, जिस कारण किसी को पहले और किसी को बाद में दिया जाता है, जिन महिलाओं और जिन परिवारों को बुधवार को दिक्कत हुई थी, वहां पूरा अमला लगाकर उनके लिए अलग से पाइप बिछाया गया है और बुधवार की देर शाम तक उनकी समस्या का भी निदान कर दिया गया था, श्रीमती छाबड़ा आगे कहती है कि मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना से पूरे नगर के वार्डों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, लगभग 1 करोड़ 10 लाख लीटर पानी प्रतिदिन फिल्टर करने की क्षमता वाला फिल्टर प्लांट लग चुका है, हमने आगामी 25 से 30 सालों की जनसंख्या और बढने वाली आबादी को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था कर दी है, पानी की कमी ना हो इसके लिए स्टॉप डेम भी बनाया गया है और पानी का स्टोर पर्याप्त मात्रा में किया जाए , इसके लिए भी व्यवस्था कर दी गई है।

दशकों तक चलेगी माइंस बेस्ट योजना

धनपुरी नगर पालिका में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए नगर पालिका प्रबंधन ने प्रदेश में अकेले ही अनूठी माइंस बेस्ट योजना लागू की है, इस संदर्भ में नपा की अध्यक्ष श्रीमती रविंद्र कौर छाबड़ा कहती है कि पानी का स्टोर और उसकी उपलब्धता पर्याप्त हो इसके लिए हमने नदियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों और नलकूपों की जगह माइंस बेस्ट योजना प्रस्तावित कर उसे पर अमल कर लिया है, उन्होंने बताया कि कोयलांचल क्षेत्र होने के कारण यहां भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे लगभग कुएं सूख चुके हैं, तालाबों की भी लगभग यही स्थिति है, लेकिन क्षेत्र में चली भूमिगत और खुली खदानों में एकत्रित जल हमारे लिए वरदान का काम कर रहा है, फिल्टर प्लांट में पानी की आपूर्ति खुली खदानों से कोयला निकालने के बाद खाली पड़े परिक्षेत्र में लाखों लीटर पानी की उपलब्धता से पूरा किया जाएगा, पानी की कमी और भूजल स्तर बढने के लिए स्टॉप डैम का भी निर्माण किया जा चुका है, मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना से पाइपलाइन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, महज 3 से 4 माह में यह व्यवस्था चालू भी हो जाएगी। लगभग 4000 कनेक्शन वर्तमान में है लेकिन 10000 कनेक्शन और प्रति व्यक्ति 135 लीटर प्रतिदिन के हिसाब से व्यवस्था की जा चुकी है, धनपुरी प्रदेश भर में अकेला ऐसा निकाय होगा जहां 24 घंटे सातों दिन पर्याप्त पानी की उपलब्धता आम जनता के लिए होगी।

बजट में गड़बड़ी मिलने से कक्ष को किया गया था सील

जांच पर पर्दा डालने किया जा रहा प्रयास

ब्यौहारी। शासकीय उत्कृष्ट बालक हायर सेकंड्री स्कूल के प्रबंधन की लापरवाही सहित भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर विधायक शरद कोल द्वारा स्कूल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विधायक के स्कूल पंहुचते ही बीईओ, एसडीएम, तहसीलदार और अन्य अधिकारी विद्यालय पहुंचे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा खर्च किये गये बजट मे गड़बडिय़ा मिलने के कारण जांच के लिये कक्ष को सील कराया गया था। खबर है कि उक्त रिकार्डो की जांच हीरा लाल पेंड्रो बीईओ ब्योहारी, शनि द्विवेदी नायब तहसीलदार ब्योहारी द्वारा जांच कर प्रतिवेदन एसडीएम ब्योहारी को दिया गया है, जिसमें भारी भरकम राशि की हेराफेरी किया जाना पाये जाने की खबर है।

नहीं दे पाये थे 52 लाख का हिसाब

उत्कृष्ट विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ स्थानीय वार्डो के पार्षद और अन्य समाज सेवी एवं अभिभावक भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे, इस दौरान ये बात सामने आयी थी कि हर वर्ष बच्चो के उत्कृष्ट शिक्षा और बच्चो के स्वास्थ्य व विद्यालय परिषर के उन्नयन के लिए लाखो रूपये का बजट आता है। पिछले सत्र 52 लाख रूपये का बजट आया था। स्कूल का संचालन शासन के मनसानुसार न होने पर विधायक द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी थी। बीईओ एवं अन्य शिक्षाधिकारियो द्वारा स्कूल मे आये बजट और उसके खर्च का लेखा पुस्तिका भी टटोला। वहां मौजूद प्रेसिंपल और लेखाधिकारी द्वारा किये गये खर्च का संतोष प्रद जबाब नहीं दे सके थे, जिससे नाराज हो कर विधायक ने उपस्थित एसडीएम एवं तहसीलदार को विद्यालय मे शासन द्वारा भेजे गये बजट और खर्च की जांच करने के आदेश दिये थे, जिस पर तुरंत ही जांच के लिए उक्त कक्ष को आगामी आदेश तक के लिये सील कर दिया गया था।

पिटारा खुलते ही जिन्न हुआ गायब

चर्चा है कि निरीक्षण के दौरान ऐसी कौन सी गड़बड़ी खर्च किये गये बजट मे मिली थी और स्कूल प्रबंधन एवं लेखाधिकारी द्वारा 52 लाख का हिसाब नहीं दे पाये, जिस कारण कक्ष को सील किया गया था एवं बाद मे जांच दौरान रामरुद्र पटेल द्वारा कौन सी जादुई छड़ी घुमाई गयी की पूरा का पूरा मामला सही हो गया, जिसे लेकर चर्चाओ का बाजार गर्म है। अब देखना यह है कि उक्त फर्जीवाड़ा से पर्दा हटपायेगा या फिर पर्दा डाल कर मामले को रफा-दफा कर दिया जायेगा।

इनका कहना है...

हां जांच शायद पूरी हो गयी है, मैंने रिपोर्ट सौंपी दी है, सर के पास उसमे देखते है सर क्या करते है, वैसे दुकानों की जांच नहीं थी, सिर्फ ऑडिट बुक की और कैस बुक की जांच थी।

शनि द्विवेदी
नायब तहसीलदार, ब्योहारी

खयानत नहीं मिली है, बिल बाउचर लगा है। दुकानों से लेखा-जोखा का विधिवत संधारित नहीं था, रिकार्ड जिसको लिखें है, पैसा आया है कितना आया है, कहां खर्च किये है, वह एसडीएम बता पायेंगे। एसडीएम साहब को प्रतिवेदन दिये है, देखते है अब क्या होता है।

हीरा लाल पेंड्रो
खंड शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक ब्योहारी

जांच हो चुकी है, प्रतिवेदन जिला शिक्षाधिकारी को भेज दिया गया है। उसमें खर्च दिखाया गया है कि इस समान मे इतना खर्च हुआ है, सोमवार को याद दिलवाइयेगा तो देख कर विवरण बता देंगे।

नारेन्द्र सिंह धुर्वे
एसडीएम, ब्यौहारी

संरक्षित जल, सुरक्षित कल

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किये जा रहे कार्य

शहडोल। आओ मिलकर कदम बढ़ाएं पानी की एक-एक बूंद बचाएं, जल स्त्रोतो के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों में जन सहयोग के श्रमदान से तालाबो, कुंओ, नदियों, नालो, बावडिय़ों के जीर्णोद्धार एवं साफ-सफाई के कार्य किये जा रहे है। जल गंगा संवर्धन विशेष अभियान की गतिविधियों में जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों, सफाईमित्र व स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद सेमरा में स्टाफ डैम की साफ सफाई का कार्य में लोगों ने श्रमदान किया। आज जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत खैरवाना में जमुना नाला की साफ सफाई का कार्य में लोगों ने श्रमदान किया। जल गंगा संवर्धन अंतर्गत ग्राम पंचायत खोडरी में चोपड़ा निर्माण का कार्य गया, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत कछार में नाला ट्रेंचिंग का कार्य किया गया,जिसमे लोगों ने श्रम दान किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत नरवार में नवीन खेत तालाब का कार्य किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत

भाटिया में भीकमपुर बांध नहर की साफ सफाई का कार्य किया गया,जिसमे लोगों ने श्रम दान किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत गुर्रा में तालाब की साफ सफाई का कार्य किया गया,जिसमे लोगों ने श्रम दान किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत महरोई में स्टॉप डैम की साफ सफाई का कार्य किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत लफदा में नाले का गहरीकरण का कार्य किया गया जिसमे लोगों ने बढ़ चढक़र श्रम दान किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत उधिया में शिव तालाब में साफ सफाई का कार्य किया गया जिसमे लोगों ने बढ़ चढक़र सहभागिता निभाई। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत हर्रा टोला में बावड़ी निर्माण कार्य किया गया जिसमे लोगों ने बढ़ चढक़र सहभागिता निभाई।

इसी प्रकार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत केलमानिया में नाला की साफ सफाई की गई, जिसमे महिलाए सहित अन्य लोगों ने बढ़-चढक़र सहभागिता निभाई। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत भर्री में तालाब का गहरीकरण किया गया। जिसमे महिलाए सहित अन्य लोगों ने बढ़ चढक़र सहभागिता निभाई।

रोजगार पाकर युवा हो रहे आत्मनिर्भर: विधायक

रोजगार मेला का किया गया आयोजन, 281 युवाओं को मिला रोजगार

शहडोल। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का शुभारंभ विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि जिले में रोजगार मेले का आयोजन करने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा रोजगार पाकर आत्मनिर्भर हो रहे है। उन्होंने कहा कि जिले के ज्यादा से ज्यादा बेरोजगार युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराने का काम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। रोजगार मेला के शुभारंभ अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। जिला स्तरीय रोजगार मेला में आज कुल 324 शिक्षित बेरोजगार आवेदकों द्वारा रोजगार हेतु पंजीयन कराया गया जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा कुल 281 आवेदकों का चयन किया गया है। जिला स्तरीय रोजगार मेला में न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड धार, प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड पीथमपुर, श्री साईं बाबा सिक्योरिटी सर्विस शहडोल, एसआईएस सिक्योरिटी अनूपपुर, कृषि अभियांत्रिकी कौशल विकास केंद्र सतना, केएनआर एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन राजस्थान, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर, नर्मदा अंचल बायोटेक फार्मिंग ग्रुप अनूपपुर, एलएनटी कंस्ट्रक्शन कंपनी छिंदवाड़ा, वर्धमान यार्म मंडीदीप, सुख किसान बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर, श्री राम लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड शहडोल, भारतीय जीवन बीमा निगम शहडोल संस्थाएं शामिल हुई।

...तो उमरिया प्रशासन को चाहिए गालीबाज अफसर!

20 दिन बाद भी नही हुई गालीबाज अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही

मानपुर। विधानसभा मुख्यालय के निर्माणाधीन बायपास सडक़ में ठेकेदार द्वारा खुलेआम की जा रही अनियमितता के साथ सडक़ किनारे रहवासियों के साथ भेदभाव करने पर शिकायत करना मानपुर के वरिष्ठ पत्रकार को भारी पड़ गया। आलम ये रहा कि पत्रकार के शिकायत करने पर पीडब्लूडी के जिला अधिकारी ने गाली-गलौज करते हुए जमकर बदसलू की। पीडब्लूडी के जिला अधिकारी कहे जाने वाले कार्यपालन यंत्री को फोन के माध्यम से शिकायत की जा रही थी, जिसके बाद पहले तो शिकायत को गौर से सुना गया, फिर अचानक अश्लील गालियों की बौछार कर दी। जिसकी शिकायत तत्काल पत्रकार द्वारा मानपुर थाना समेत जिला के कलेक्टर के समक्ष बकायदे

आडियो क्लिप के साथ शिकायत पत्र पेश किया गया, लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई। लिहाजा जनचर्चा यह भी हैं कि जिला प्रशासन उक्त गाली बाज अधिकारी के समर्थन में हैं और उनके प्रति कार्यवाही करने के बजाय उल्टा संरक्षण दिया जा रहा है। हालाकि अगर ऐसा किसी आम व्यक्ति ने किया होता तो, पुलिस-प्रशासन उक्त व्यक्ति के घर पर बुलडोजर चलवा चुका होता, शर्म और अचरज तो इस बात की है कि जिला प्रशासन ऐसे गालीबाज अधिकारी को गोद में बैठाकर कैसे सहला रहा है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अगर उन्हें ऐसे गालीबाज अधिकारी पसंद हैं तो, वस्तुस्थिति स्पष्ट कर दें, जिससे जनता के टैक्स से मोटा वेतन लेने वाले अधिकारियों के सामने जाने या फोन पर चर्चा करने के साथ ही किसी प्रकार की समस्या बताने से बचा जाये। पता नहीं कौन अधिकारी गाली-गलौज पर उतारू हो जाये, क्योंकि अगर कार्यवाही नहीं होती है तो, यह तो स्पष्ट हो ही जायेगा कि प्रशासन को अब गालीबाज अफसर ज्यादा रास आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

शालाओं की मानीटरिंग प्रमुखता से की जाएगीः कलेक्टर

उमरिया। नया शिक्षण सत्र 18 जून से प्रारंभ हो रहा है। स्कूलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति , शाला त्यागी बच्चों को स्कूलों में दाखिला तथा शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम पूरा कराकर शैक्षणिक गुणवत्ता महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से जिला प्रशासन व्दारा शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने हेतु कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है, उसका सभी शिक्षकों को अक्षरशः पालन करना है । यह निर्देश कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने आर सी स्कूल उमरिया में आयोजित शैक्षणिक गुणवत्ता पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को दिए ।
कलेक्टर ने कहा कि 18 जून को प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जाना है जिसकी पूर्व से तैयारी कर लें। स्कूल की साफ-सफाई शौचालय की स्थिति, एसएमसी की बैठक आयोजित करें, अधिकतम अभिभावकों को आमंत्रित करें। ड्राप-आउट बच्चों को चिन्हांकित कर उन्हें पुनः शाला में प्रवेश कराये।स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शाला में आमंत्रित करे। 19 जून को प्रत्येक बच्चों को पाठ्यपुस्तक उपलब्ध करा दे। अभिभावको को शैक्षणिक कैलेण्डर व गतिविधियों से अवगत करा दे। इस वर्ष राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे का आयोजन होगा, जो कक्षा 3, 6 और 9 के लिये है। इसकी तैयारी सत्र प्रारम्भ से ही करें। अभ्यास प्रश्न आपको दिये जायेंगे, इन कक्षाओं के लिये प्रति शनिवार बालसभा में प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन करे। सीएसी, बीएसी तथा बीआरसी एवं संकुल प्राचार्य इसकी सतत मॉनीटरिंग करें।

सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि बाल सभा की रिपोटिंग के लिये गूगलशीट तैयार की गई है, उसके माध्यम से भी मॉनीटरिंग की जावेगी। शिक्षक समय पर शाला में उपस्थित हों, नियत टाइम-टेबल के अनुसार अध्यापन करे। इसके लिये प्रधानाध्यापक प्रतिदिन प्रातः 10.40 तक शिक्षको की उपस्थिति, अनुपस्थिति गूगलशीट में प्रतिदिन भरेंगे। सभी संकुल प्राचार्य, बीआरसी सुनिश्चित करेंगे कि जानकारी समय पर प्रतिदिन उपलब्ध हो जाय। शाला में बच्चों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाय। प्रति सप्ताह अनुपस्थित छात्रों की समीक्षा की जावेगी। अनुपस्थित छात्रों से गृह सम्पर्क कार्यक्रम चलाये, फील्ड के अधिकारी द्वारा भी इसकी मॉनीटरिंग की जायेगी। प्रत्येक जनशिक्षा केन्द्र में प्रतिमाह समीक्षा की जायेगी।

संतान को जन्म से और नदियों को उद्गम से संभालने पर ही इनका भविष्य उज्जवल होगाः कलेक्टर

उमरिया। जीवन के लिए जल जरूरी है और जल संरक्षण के लिए वृक्ष जरूरी है, इसलिए प्रत्येक दिवस एक वृक्ष जरुर लगाएं। जल स्त्रोतों के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। संतान को जन्म से और नदियों को उद्गम से संभालने पर ही इनका भविष्य उज्जवल होगा। नदियों को उद्गम से पुनर्जीवित करने और उनके अविरल प्रवाह के लिए नवाचार की शुरूआत हुई है। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला मुख्यालय सब्जी मंडी स्थित तालाब में श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । जल संवर्धन अभियान के तहत सब्जी मण्डी स्थित तालाब में श्रमदान किया गया । श्रमदान कार्यक्रम में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डा के के पांडे, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण अमित तिवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किषन सिंह, व्यापारिक संघ से कीर्ति कुमार सोनी जिला अध्यक्ष व्यापारिक संगठन कैट , खेमचंद कोटवानी, अनिल आहूजा, प्रवीण गुप्ता, हेमंत चांदनी, अमित खंडेलवाल, सचिन मांझी, सचिन गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल , जनहित मानव सेवा संस्थान से चेतन गुप्ता, सूरज सोनी, जन अभियान परिषद से जयभारती साहू, सहित गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया । श्रमदान में जल-संवर्धन अभियान के आठवे दिन भी आम नागरिकों ने उत्साह पूर्वक जल स्त्रोतों की सफाई की।

बैठक के दौरान आदिवासी महिला सदस्य को धमकाया

जिपं अध्यक्ष डाल रही अनुसूचित सदस्यों के हक पर डाकाः अंजू

जनप्रतिनिधि नहीं नौकरशाह और अकेले जिपं अध्यक्ष चला रही रहे जिला पंचायत

शहडोल जिला पंचायत में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के माध्यम से चुनकर आए जिला पंचायत के सदस्यों का जिपं अध्यक्ष, सीईओ और अन्य अधिकारी, कर्मचारी मिलकर जनप्रतिनिधियों के अधिकारों को कुचलने पर आमादा है, हालात यह है कि आदिवासी अंचल से चुनकर आई महिला जनप्रतिनिधियों के साथ दुव्र्यवहार और उन्हें बैठक में धमकाने तक का प्रयास होता है और इस मामले में प्रशासन चुप्पी साध कर बैठ जाता है , पत्रकार वार्ता के दौरान जारी वीडियो से इस मामले का खुलासा करते हुए जांच की मांग की गई है।

2 सालों में सिर्फ दो बार बैठक, स्थाई समिति आज भी बैठक के इंतजार में

शहडोल । लगभग 2 वर्ष पहले त्रि-स्तरीय पंचायत राज चुनाव के दौरान शहडोल जिले में पंच, सरपंच से लेकर जनपद और जिला पंचायत के सदस्यों का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुआ था, जिले की 15 जिला पंचायत के सीटों से चुनकर आए सदस्यों को मिलाकर शहडोल जिला पंचायत समिति का गठन हुआ था और इसी में से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुने गए थे, बीते माहों में जिला पंचायत की बैठक आयोजित हुई, इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अंजू गौतम रैदास ने आरोप लगाए हैं कि बैठक के दौरान जिला पंचायत की अध्यक्ष ने उन्हें धमकाया और उनके साथ अभद्रता की, उनके मौलिक अधिकारों का हनन किया गया है। सुश्री रैदास ने बताया कि वह बैठक के दौरान पूरी कार्यवाही का वीडियो बना रही थी, जो उनके मौलिक अधिकारों में शामिल है, उन्होंने बताया कि जब उन्हें अपनी बात बैठक के दौरान रख रहीं थी तो, उन्होंने अपना मोबाइल चालू किया, जिस पर किसी अन्य सदस्य और मुख्य कार्यपालन अधिकारी तक को आपत्ति नहीं थी, लेकिन जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती विभा मिश्रा इसे देखकर बिफर उठी और अपनी कुर्सी से उठकर मेरे पास तक आ गई, बार-बार मोबाइल बंद करने के लिए कहा गया, इस पर मैंने कहा कि जब विधानसभा और लोकसभा तक की बैठकों का सीधा प्रसारण होता है, उनकी रिकॉर्डिंग होती है तो, फिर यहां इससे परहेज क्यों की जा रही है। यहां जनता के मुद्दे रखे जाते हैं, कौन सदस्य अपने क्षेत्र के क्या मुद्दे रखता है और उसे पर क्या बहस होती है और उसके बाद क्या निर्णय सामने आते हैं, यह जनता को जानने का अधिकार है।

नहीं सुधर रही व्यवस्था

सुश्री रैदास ने कहा कि वीडियो रिकॉर्डिंग करने के दौरान किसी को भी आपत्ति नहीं थी, लेकिन जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने स्थान से खड़े होकर न सिर्फ मेरे से अभद्रता की, बल्कि मोबाइल बंद करने के लिए कहा इसी दौरान मेरी मोबाइल बंद कर दी गई और मुझे धमकाया गया, उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के कहने और आश्वासन के बाद की अगली बैठक में यहां कैमरे लगाए जाएंगे, मैं इस मामले को बाहर मीडिया या अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष नहीं रखा, लेकिन बीते वर्ष के अंतिम माह में हुई बैठक के बाद अभी तक कोई भी व्यवस्था सुधरती नहीं दिख रही है, जिस कारण मुझे मीडिया के समक्ष या वीडियो और पूरी मामला रखकर प्रशासन से मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आरक्षण के लाभ से किया वंचित

जिला पंचायत सदस्य सुश्री अंजू गौतम रैदास द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत की गंभीर, अनियमित तथा कानूनी एवं संविधान के विरूद्ध किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जिला पूर्णतः कानून, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को नहीं मानता और इसीलिए जिला पंचायत चुनाव से लेकर अभी तक संविधान, कानूनी एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियाँ उड़ाई गई है। सुश्री अंजू गौतम ने बताया कि शहडोल जिला यदि ट्राइबल है तो, यहाँ का जिला पंचायत अध्यक्ष ट्राइबल होना चाहिए और यदि जिला ट्राइबल नहीं है तो, इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय तथा आदेश के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं किया जा सकता था, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण करते हुए पिछड़ा वर्ग को मिलने वाले आरक्षण के लाभ से वंचित कर दिया गया तथा इसकी लगातार शिकायत करने के बाद विगत 2 वर्षों में भी कोई कार्यवाही नहीं हुई और ना ही इस विषय का कोई जवाब ही दिया गया। ऐसा लगता है कि इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ही एक रास्ता है, जो कि इस गरीब तबके के लोगों के लिए खर्च उठाना संभव नहीं है।

क्यों नहीं कराई जाती वीडियो रिकार्डिंग

सुश्री अंजु गौतम ने बताया इतना ही नहीं इन 2 वर्षों में जिला पंचायत की कुल 2 आम सभा की बैठक हुई तथा किसी भी स्थाई समिति की आज दिनांक तक एक भी बैठक नहीं हुई। जिला पंचायत की अवैधानिक गतिविधियों के विरूद्ध मेरे द्वारा लगातार आवाज उठाए जाने के बाद भी कोई फर्क नहीं पड़ा, बल्कि पिछली मीटिंग में जब मेरे द्वारा जिला पंचायत सभागार में चल रही मीटिंग के अंदर प्रखर रूप से यह बात रखी गई कि कार्यवाही रजिस्टर बाद में क्यों कम्प्यूटर में फीड कराई जाती है, तुरंत पढक़र क्यों नहीं सुनाई जाती तथा जिस तरह की अनाब-सनाब बहस यहाँ पर होती है, उसको वीडियो रिकॉर्डिंग क्यों नहीं कराई जाती।

4 माह पुराना बहस का वीडियो अब हुआ वायरल

जिला पंचायत सदस्य ने जिला पंचायत अध्यक्ष पर बदसलूकी कर मारपीट का आरोप लगाते हुए एक वीडियो जारी कर वीडियो वायरल किया है ,वायरल वीडियो में जिला पंचायत की सामान्य बैठक में शामिल जिला पंचायत सदसस्य मोबाइल पर वीडियो कैमरा चालू कर जिला पंचायत की बैठक व उनके कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए अपनी बात रख रही रही थी, जो जिला पंचायत अध्यक्ष को यह बात नागवारा गुजरी और वह उनके वीडियो बैठक में वीडियो बंद कराने को लेकर अड़ी रही, सदस्य के बीच मीटिंग में विवाद होता दिखा, तभी जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन दोंनो के बीच बचाव करने का असफल प्रयास किया। हालाकि तू-तू, मैं-मैं का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है । बताया जा रहा है कि यह वायरल वीडियो 4 माह पुराना जिला पंचायत की एक बैठक के दौरान का है। वही जिला पंचायत सदस्य ने जिला पंचायत अध्यक्ष पर मारपीट कर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। अब सवाल यह खड़ा होता है कि 4 माह पुराना वीडियो अब क्यो वायरल हो रहा है।

नगरीय निकायों में 48 जल सरंचनाओं जीणाद्धार का कार्य प्रारंभ

उमरिया। प्रदेश सरकार के नगरीय विकास विभाग के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में गति पकड़ लिया है। जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में 29 तालाबो के जीर्णोध्दार , 19 कुआं एवं एक बावडी, कुल 48 जल संरचनाओं के जीर्णोध्दार का कार्य किया जा रहा है, जिसकी लागत 340 लाख रूपये है। जिसमें से अमृत 2.0 योजना के तहत 3 तालाब, जन सहयोग के माध्यम से 6 तालाब, निकाय निधि से 19 तालाब एवं 19 कुओ का पुर्नजीवन किया जा रहा है । झील संरक्षण से एक तालाब का पुर्नजीवन किया जा रहा है। परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण अमित तिवारी ने बताया कि नगर पालिका उमरिया में सगरा तालाब, बरतिया तालाब, रघ्घुराम तालाब , सब्जी मण्डी तालाब में श्रमदान का कार्य किया जा रहा है । इसी तरह चंदिया के खेर माई तालाब, कथली नदी, पाली के सगरा तालाब, कथली नदी में साफ सफाई अभियान जारी है । स्मृति वन के लिए जगह चिन्हित कर ली गई है । उमरार नदी खलेसर घाट नाला डायवर्सन के लिए टेण्डिर 18 जून को होगा । 1892 घन मीटर मिटटी खोदी गई है।

18 जून को सामान्य सभा एवं प्रशासन समिति की बैठक

उमरिया। जिला पंचायत उमरिया की सामान्य सभा एवं प्रशासन समिति की बैठक 18 जून को दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत उमरिया के सभागार में आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

अज्ञात आरोपी पर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित

उमरिया। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने कु. गुलाबवती सिंह पिता पूरन सिंह उम्र 16 साल 11 माह निवासी पतखई थाना सिंहपुर जिला शहडोल एवं अज्ञात आरोपी की दस्तयाबी हो सके इसके लिए पांच हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की है। ईनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक का अंतिम निर्णय होगा।

दिल्ली और सिगरौंली व भोपाल के लिए एक - एक दिन के लिए रेल सुविधा लोगों को मिला

ब्योहारी। ब्योहारी क्षेत्र के लोगों को जब खुशी कि बरसों से माँग चल रही थी कि दिल्ली, व भोपाल और सिगरौंली के लिए सप्ताह में तीन तीन दिन सुपर फास्ट रेल 22165 ,22166 , 22167 , 22168 बढ़ाया जाए। फिर भी रेलवे प्रशासन ने माँग को क्षेत्र की जनता के हित में देखते हुए अतिशीघ्र माँग स्वीकार कर मोदी जी कि तीसरी बार सरकार बनते ही भोपाल से सिगरौली से भोपाल के लिए ट्रेन तीन तीन दिन के लिए हो गई गाडी संख्या भोपाल से सिगरौली 22165 मंगलवार, गुरूवार, शनिवार , को फिर सिंगरौली से भोपाल के लिए गाड़ी संख्या 22166 दिन मंगलवार, गुरूवार, शुक्रवार ,के जाएगी और सिंगरौली से हजरत निजामुद्दीन के लिए गाड़ी संख्या 22167 दिन रविवार, वुधवार को व हजरत निजामुद्दीन से सिगरौली ट्रेन का दिन हैं सोमवार, गुरूवार रात्रि 11 बजे के लिए सागर होते हुऐ वाया ब्योहारी सिंगरौली के लिए सभी टैन की सुविधा मिलनें से नगर व बिधानसभा क्षेत्र वासियों में हर्ष है रेलवे प्रशासन व मोदी जी तीसरी बार सरकार बनते ये सौगात मिली नगर व ब्यापारियो ने जिससे शासन व प्रशासन को धन्यवाद दिया। लेकिन क्षेत्र वासियों की रेल मंत्रालय व रेल प्रशासन से अप्रेक्षा है कि सिंगरौली ब्योहारी कटनी रेल खण्ड के बीच दो साप्ताहिक टेन चलती जो कि कलकत्ता से अजमेर गाडी संख्या 18009 , कलकत्ता से अजमेर दिन शनिवार को ब्योहारी होकर अजमेर से कलकत्ता 18010 इसी तरह से दूसरी साप्ताहिक अहमदाबाद से कलकत्ता गाड़ी संख्या 19413 गरूवार को और कलकत्ता से अहमदाबाद गाड़ी संख्या 19414 दिन रविवार को वाया सिंगरौली व ब्योहारी होकर निकलती है फिर भी ब्योहारी के क्षेत्र वासियों यात्रियों को इन गाड़ियों में टिकट कि सुविधा नहीं होती हैं लेकिन ये दोनों साप्ताहिक टेनों को ब्योहारी स्टेशन में रूकती फिर भी यात्रियों को इन गाड़ियों में टिकट नहीं दिया जाता है ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र बासियों अपमान जैसा होता है जब कि ये दोनों टैन लगभग 12 - 15 साल से चल रही हैं। उपेक्षा लगातार हो रहा वैसे भी ब्योहारी का दुर्भाग्य उस दिन चालू हो गया था जब राजनैतिक दल के लोगों के द्वारा ब्योहारी को सीधी संसदीय सीट से जोडा गया था आज चौथा पंचवर्षीय का चुनाव हो गया फिर भी ब्योहारी उपेक्षा का जहर का घूट पी रहा हैं ब्योहारी का बिकास अपने भाग्य विधाता के दम हो रहा है। नगर के समस्त समाज के लोगों ने प्रशासन से अप्रेक्षा कि है कि दोनों साप्ताहिक टेनों का स्टाप हो ब्योहारी में और यात्रीत्रियों को टिकट सुविधा मिलें नहीं जनता अन्दोलन के लिए मजबूर होगी।

दुकानों व होटलों मे धड़ल्ले से जारी अवैध शराब की बिक्री

मोटर साइकिल से पहुंचाई जाती अवैध शराब, जिम्मेदार बने मूकदर्शक

कोतमा। ठेकों की नीलामी होने के बाद भी नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों व होटलों पर सरेआम धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है। जिससे सरकार को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। वहीं बच्चे भी नशे की चपेट में आने लगे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को मामले की जानकारी होने के बावजूद इस बारे कोई कार्यवाही न किए जाने से नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोगों के हौसले बुलंद हो गए हैं। नगर के होटल ढाबों सहित बस स्टैंड के आगे भट्टी टोला दफाई टोला विकास नगर कॉलेज तिराहा के आगे पतेराटोला गोविंद कॉलोनी सहित ग्रामीण क्षेत्र के निगवानी गढ़ी लामाटोला सेमरिया चौराहा सहित नगर के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 सड़क के किनारे काफी संख्या में दुकानदार अवैध रूप से शराब बेचने के काम में लगे हुए हैं, लेकिन काफी समय से अवैध शराब बेचे जाने की प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद आज तक किसी भी दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। इससे कस्बे में अवैध शराब बेचने का कारोबार फल फूल-रहा है। शराब के ठेकेदार के पास शराब का ठेका है। ऐसे में चाय वालों, ढाबे वालों व अन्य दुकानदारों ने सरेआम अपनी दुकानों पर शराब की पेटियां बेचने के लिए

रखी हुई है। शराब पीने के शौकीन लोग ढाबों व चाय की दुकानों से शराब खरीदकर पी रहे हैं। शाम होते ही अवैध शराब बेचने का धंधा सरेआम चलता है। नगर में शराब का ठेका होने के बावजूद शराब पीने के शौकीन लोगों को दुकानों से आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है। जिससे नगर का वातावरण बिगड़ रहा। अवैध शराब बेचने का कार्य शुरू हो गया है। पुलिस की नाक के नीचे अवैध शराब का कारोबार चल रहा है, लेकिन कार्यवाही के नाम पर प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं। आसपास के गांव में भी अवैध शराब बिकने का काम जोरों पर है। अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोग ठंडी बीयर भी ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं। कस्बे में अवैध शराब बेचने वालों की संख्या में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है।

मोटर साइकिल से पहुंचाई जाती है शराब

नगर में शराब ठेकेदार के द्वारा शराब पहुंचाने के लिए दो आदमियों को रखा गया है जो सुबह दुकान खोलते ही दुकान से शराब लेकर मोटरसाइकिल में सफेद बोरी में भरकर नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र के कालोनियां एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शराब पहुंचाने का काम खुले आम कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी पुलिस एवं आबकारी विभाग को ना हो लेकिन कोई पुख्ता कार्यवाही न होने के कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद हैं।

रेट सूची भी नहीं

शासन के द्वारा शराब नीति में यह निर्देश दिए गए हैं कि शराब दुकानों में रेट सूची चश्मा की जाएगी और उसी के आधार पर शराब की बिक्री की जाएगी, लेकिन आज तक शराब दुकानों में रेट सूची तक चश्मा नहीं की गई है। जिसके कारण दुकानदार में के दामों पर शराब की बिक्री करते हैं। यदि कोई ग्राहक रेट सूची की बात करता है तो उसे शराब दुकान के सेल्समैनों के द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है। आबकारी विभाग की उदासीनता के कारण नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री एवं पैकारी जोरो पर चल रही है। खाना पूर्ति करने के लिए आबकारी एवं पुलिस विभाग के द्वारा छोटी-मोटी कार्यवाही करते हुए अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेती है

नगर में बिक रहे अमानक पानी पाउच

रुपए खर्च कर उपभोक्ता खरीद रहे बीमारियां

कोतमा। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे पीने के पानी का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। बढ़ते कारोबार को देखते हुए मुनाफा कमाने के लिए अमानक पानी पाउच बेचने वाले सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में लोगों की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। गर्मी शुरू होते ही नगर के होटलों, किराना दुकान और छोटी बड़ी ठंडा की दुकानों पर स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे पानी के पाउचों की बिक्री तेज हो गई है। एक रुपए में बिकने वाले पाउच अब पांच रुपए में दो बेचे जा रहे हैं। पन्नी में बंद पानी कहने को तो आइएसआइ मार्का वाला फिल्टर पानी है, लेकिन हकीकत में यह पानी स्थानीय स्तर पर पैक किया जा रहा है।

न एक्सपायरी न निर्माण की तारीख

बाजार में मिलने वाले अधिकांश पानी पाउच में न तो पैकिंग तारीख अंकित होती है न एक्सपायरी डेट लिखी रहती है। यह पानी भले ही तात्कालिक रुप से लोगों के कंठ को तर कर राहत देने में मददगार साबित हो रहे हैं, लेकिन बाद में न जाने कितनी बीमारियों का कारण बन रही हैं। यह पानी पाउच खाद्य एवं औषधि विभाग से बिना अनुमति एवं नगरीय प्रशासन कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराएं बिना ही बेचे जा रहे हैं। इन अधिकांश पाउचों में न तो वाटर प्लांट का पता लिखा है न ही इमेल पता होता है। फिर भी यह नकली पाउच बाजार में धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। ऐसे पानी के उपयोग से पीलिया, टाइफाइड, अल्माइजर आदि जैसी गंभीर बीमारियां होने की संभावना बनी रहती है।

अधिक मुनाफा के लिए बिक्री

ब्रांडेड पानी पाउचों की तुलना में नगर में अमानक स्तर के बने पाउच काफी सस्ते

दामों में दुकानदारों को बेचे जाते हैं। इसलिए दुकानदार अपने फायदे के चक्कर में लोगों को दूषित पानी पिलाकर स्वास्थ के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ब्रांडेड कंपनी के पानी पाउच की पैकिंग में 100 पाउच रहते हैं। वह दुकानदार को 75 से 80 रुपए में मिलती है जबकि नकली पानी पाउच की बोरी, जिसमें 100 पाउच होते हैं, अधिकतम 40 से 45 रुपए में मिल जाते है।

बिक रहे देशी पाउच भी

पानी के पाउच प्लॉट पर मशीन के माध्यम से पैक करके बेचे जाते हैं, लेकिन वर्तमान में नगर में अनेक स्थानों पर घरों में पानी बनाकर बेचा जा रहा है। जिनमें बाजार में मिलने वाली सफेद पॉलीथिन को खरीदकर उसमें पानी भरकर धागा से बांध दिया जाता है और फ्रिज में रखकर उसी पानी को बेच दिया जाता है। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे देशी पाउच की बिक्री ज्यादा हो रही है।

आइएसआई मार्का का दुरुपयोग

आइएसआई मार्का का गलत तरीके से प्रयोग हो रहा है, तभी बीआइएस विभाग इस संबंध में कार्यवाही करता है। जबकि बाजार में अमानक पानी पॉउच के संबंध में कार्यवाही का अधिकार प्रशासन व खाद्य और औषधि विभाग के जिम्मे होता है। इसके बावजूद विभाग द्वारा अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से नहीं निभाने के चलते नगरवासियों को सदैव बीमारियों का डर बना रहता है।

यह है पाउच बेचने के नियम

किसी भी कंपनी को पानी के पाउच निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा जारी लाइसेंस की जरूरत होती है। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की अनुमति भी होना आवश्यक है। इसके अलावा पानी के पाउचों को पैकिंग तारीख दी जाती है। जिसमें उस तारीख से निर्धारित समयावधि की भी जानकारी देना अनिवार्य होता है। पैकेट पर नैचुरल, पारंपरिक और शुद्ध निर्माण जैसे शब्द कंपनियों द्वारा मनमाने तरीके से लिखे जा रहे हैं। निमार्ता कंपनियां प्रोडक्ट की परिभाषा खुद तैयार कर ऐसे लुभावने शब्द लिखकर ग्राहकों से मनमाने दाम वसूल रही हैं। एफएसएसआइ नई दिल्ली ने कंपनियों पर नकेल कसने के लिए नेचुरल, शुद्ध सहित पारंपरिक परिभाषा तय की है। कोई कंपनी गलत दावा करती है, तो उसे 10 लाख रुपए तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। एफएसएसएआइ ने नए नियमों के पालन के आदेश संबंधित विभागों को दिए हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही धड़ल्ले से अमानत पानी के पाउच की बिक्री कोयलांचल सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बेचे जा रहे हैं लेकिन खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों के पास जांच करने का समय ही नहीं है। नागरिकों ने जिला कलेक्टर से बाजार में बिक रहे अमानत पानी के पाउचों की जांच करते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ की बैठक तय

रीवा। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष के.सी. त्रिपाठी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा कर्मचारियों की जायज मांगो को लेकर 21 जून 2024 को नीलम पार्क भोपाल में सभी जिलों के कर्मचारी एकत्रित होकर आंदोलन संवाद एवं ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन को सौंपेंगे। के.सी. त्रिपाठी ने बताया कि उक्त तारतम्य में संभागीय जिला कार्यकारिणी ब्लॉक तहसील एवं विभागीय समिति के पदाधिकारियो/कर्मचारियों की अहम बैठक दिनांक 14 जून 2024 को दोपहर 1:30 बजे संघ कार्यालय साईं मंदिर के बगल रीवा में आयोजित हो रही है। उक्त बैठक में सभी कर्मचारियों को शामिल होने की अपील की गई है।

जीवन रक्षा पदक तथा पुरस्कार के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

रीवा। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकों को जीवन रक्षा पदक तथा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। जीवन रक्षा पदक पानी में डूबने, आग से जलने, बिजली करंट, भूस्खलन, वन्य जीवों के हमले से बचाव तथा खदानों में राहत और बचाव कार्य करने पर दिया जाता है। जिला स्तर पर जीवन रक्षा पुरस्कारों के लिए युवक-युवतियों के नामांकन ऑनलाइन दर्ज किए जाएंगे। गृह विभाग के पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पद्मअवाड्र्स डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर जीवन रक्षा पदक तथा पुरस्कार के लिए आवेदन किया जा सकता है। जिला स्तर से आवेदन पत्र 9 जुलाई 2024 तक दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद अनुसंशा के साथ आवेदन पत्र भेजने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2024 निर्धारित की गई है।

रोमांचक मुकाबले में भालूमाड़ा की खिताबी जीत

धनपुरी प्रीमियर लीग रात्रिकालीन टूर्नामेंट का समापन

धनपुरी प्रीमियर लीग रात्रि कालीन फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच भालूमाड़ा और सिरोंजा के मध्य खेला गया। फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा, दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हो पाए और दोनों टीम में हाफ टाइम तक शून्य शून्य के स्कोर पर फुटबॉल पर बराबरी पर रहीं।

धनपुरी।

दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने आक्रमण करके टूर्नामेंट को अपने नाम करने का प्रयास किया, मगर फिर भी गोल करने के प्रयास में सफल नहीं हो पाए और मैच के अंतिम पल में भालूमाड़ा के खिलाड़ी ने गोलकर अपने टीम को विजयश्री दिलाई।विजेता टीम को 21000 नगद और चमचमाती हुई ट्रॉफी के साथ व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए गए वहीं उपविजेता टीम को 11000 रुपए नगद चमचमाती हुई ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार दिए गए। फाइनल मैच शुरू होने से पहले एक मैच लड़कियों का खेला गया। रिलायंस फाउंडेशन पकरिया और सीरोंजा के मध्य खेले गये मैच में दोनों टीमों ने काफी शानदार फुटबॉल का प्रदर्शन किया और हाफ टाइम तक दोनों टीमें गोल करने में सफल नहीं रही। दूसरे हाफ के अंतिम क्षण में रिलायंस फाउंडेशन के खिलाड़ी ने गोल कर अपने टीम को विजय दिलाई। विजेता टीम के ट्रॉफी के अलावा व्यक्तिगत पुरस्कार अतिथियों के द्वारा दिया गया वह दूसरी और सिरोंजा लड़कियों को भी वह विजेता के ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार अतिथियों के द्वारा दिया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका के उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल रहे उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए और फाइनल खेल रही दोनों टीमों को बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की और कहां के खेल हमेशा खेल भावना से खेलना चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में थाना प्रभारी खेम सिंह अभिभावक संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा सुजीत सिंह चंदेल डॉक्टर पी के सिंह बलमीत सिंह खनूजा शोभाराम पटेल अजय द्विवेदी जयदीप पाल गोविंद अग्रवाल सूर्यमणि सिंह शशि एहसान मोहम्मद अमरजीत सिंह धीरू सिंह परिहार श्रीदेवी मसराम के अलावा बड़ी संख्या में अतिथि मौजूद रहे फाइनल विजेता टीम के स्पॉन्सर शिप में जानू छाबड़ा रहे वहीं दूसरी ओर उप विजेता टीम के स्पॉन्सर नितिन सिंह राणा रहे। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोजक एसपी सिंह ने कहा कि सबसे पहले हमारे छोटे से आमंत्रण पर अपना बहुमूल्य समय निकालकर यहाँ पधारे सभी अतिथियों का मै अपनी व अपनी आयोजन टीम के सभी साथियों की ओर से ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सबके सहयोग से हीं अल्प समय मे इस टूर्नामेंट का आयोजन हम लोगो ने सफलता पूर्वक कराया हैं। इस टूर्नामेंट मे सभी टीमों ने अच्छा खेल का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट के दौरान राजेंद्र कोल शिवम पासवान अमित पासवान आलोक भारती सुखी सर गणेश हथगेल रवि कुशवाहा तिलक राज सिंह अंकित दहिया अनिल सुशील दीपक बर्मन पंकज पानीका ऋतिक दहीया हिमांशु उपाध्याय राहुल मोगरे रवि जितेंद्र पासवान ऋषि मुख रूप से मौजूद रहे जबकि मैच में रेफरी की भूमिका योगराज वर्मा उमेश शंकर सनी पाल कपिल कौशल मोहम्मद प्रकाश चौधरी जबकि आंखों देखा हाल सुनाया मोहम्मद कलाम ने डी एफ ए के सचिव पुनीत पानिका और आयोजक एसपी सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया और आशा की कि ऐसा सहयोग हमेशा बना रहेगा।

हनुमना में करोड़ों रुपए की लागत से बन रही सड़क चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

मऊगंज।

जिले मे बन रही सड़के ठेकेदारों एवं अधिकारियों की सांठगांठ से भारी भ्रष्टाचार हो रहा है।भले ही सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए बड़े-बड़े वादे किए जाते हो, लेकिन धरातल पर सरकार के जिम्मेदार आला अफसर व ठेकेदार मिलीभगत कर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगा रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा हर व्यक्ति के लिए अति आवश्यक है। इन सभी में सरकार करोड़ों रुपए खर्च भी कर रही है मगर जब हम बात करें इन कार्यों के निर्वहन करने वाले लोगों की सुविधाओं की कोई चिंता नहीं है। ऐसा ही नजारा जिले के हनुमना जनपद के पूर्वी क्षेत्र में करोड़ों रुपए लागत की बन रही सड़क निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ रहा है। जहां निर्माण एजेंसी और ठेकेदार के बीच मिलीभगत हो जाए वहां निर्माण कार्य का भगवान ही मालिक है। संबंधित अधिकारियों पर मामले में लापरवाही बरतने के आरोप लग रहे। अब जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीणों में गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण को लेकर काफी आक्रोश देखने को मिल रहा। अल्हवा बंजारी एंव नाउन से कजरा गांव में बन रही करोड़ों रुपए की सड़क निर्माण में हो रहा भ्रष्टाचार वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के सड़क निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार को मऊगंज जिले के पीडब्ल्यूडी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का खुला संरक्षण प्राप्त है जिसके कारण ठेकेदार का हौसला बुलंद है और मनमानी तरीके से गुणवत्तविहीन कार्य कर रहा है जिसका खामियाजा यहां से गुजर रहे लोगो को भुगतना पड़ेगा।

हनुमना में युवा समाजसेवियों के द्वारा कार्यवाही की मांग: हनुमना में अल्हवा बंजारी नाउन से कजरा गांव में बन रहे सड़क निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर युवा समाजसेवी आनंद मिश्रा, दीपक सिंह गहरवार, टिंकल गुप्ता,सरोज गुप्ता, प्रमोद कुमार वर्मा, लक्ष्मीकांत मिश्रा, बब्बू शुक्ला,अंजनी कुमार पांडे, गौरी शंकर पांडे, आशीष कुमार, प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार पांडे, सुखराम केवट, पिंटू यादव आदि लोगों ने कमिश्नर एवं जिला कलेक्टर कार्यालय मऊगंज से आवश्यक कार्यवाही की मांग की है।

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का कमिश्नर और आईजी ने लिया जायजा

रीवा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 13 जून को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री रीवा में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री लक्ष्मण बाग मंदिर परिसर बावड़ी की साफ-सफाई तथा बिछिया नदी के घाटी के साफ-सफाई में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव मंदिर परिसर में आयोजित जनसंवाद सभा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव भोपाल से शासकीय वायुयान से एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री एयरपोर्ट रीवा से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर पुलिस परेड मैदान रीवा पहुंचेंगे। यहाँ से मुख्यमंत्री डॉ यादव मुख्य कार्यक्रम स्थल के लिए प्रस्थान करेंगे। कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड तथा पुलिस महानिरीक्षक एमएस सिकरवार ने मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। कमिश्नर श्री डाड तथा आईजी श्री सिकरवार ने एयरपोर्ट, पुलिस परेड मैदान तथा मुख्य कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल, साफ-सफाई, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा यातायात व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर तथा विवेक लाल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हमीदिया कैथ लैब शिफ्टिंग कार्य में विलंब पर व्यक्त किया रोष

मंत्रिपरिषद से स्वीकृत पदों पर शीघ्र भर्ती के लिए औपचारिकताएं करें पूर्णः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने विगत दिवस मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित 46 हज़ार 491 विभागीय पदों पदों और 607 विशेषज्ञ चिकित्सकीय पदों की पूर्ति के लिए समस्त औपचारिकताएँ प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। हमीदिया कैथ लैब शिफ्टिंग में हो रहे विलंब पर उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रोष व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कैथ लैब का कार्य क्रिटिकल स्वास्थ्य सेवा प्रदाय से संबंधित है। इस कार्य में लापरवाही, प्रशासनिक उदासीनता अस्वीकार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि एक माह के अंदर कैथ लैब शिफ्टिंग की कार्यवाही पूर्ण करें। उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता से तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कैथ लैब शिफ्टिंग कार्य की नियमित समीक्षा की जाएगी और अनावश्यक विलंब पर ज़िम्मेदारी तय की जाएगी। उपकरण, मैनपॉवर की उपलब्धता समय से सुनिश्चित की जाये - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में स्वीकृत भवन-विहीन एक हज़ार 770 स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के निर्माण कार्य की समीक्षा की। इनमें उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदि के निर्माण कार्य शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि अधोसंरचना विकास के साथ उपकरण, मैनपॉवर आदि की उपलब्धता भी समय से सुनिश्चित की जाये ताकि शीघ्र स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय प्रारंभ हो सके। उप मुख्यमंत्री ने रीवा और शहडोल संभाग में स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के उन्नयन और रीवा के पुनर्घनत्वीकरण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक पोरवाल, डीन जीएमसी भोपाल डॉ कविता सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी पीआईयू, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, एमपीबीडीसी, हाउसिंग बोर्ड के वरिष्ठ

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री रामदर्शन मिश्रा “राही” के निधन पर व्यक्त किया शोक

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात कवि, प्राणालोक पत्रिका के संस्थापक, सीधी जिले के भंवरसेन में महाकवि बाणभट्ट समारोह के संरक्षक एवं रीवा वि.वि. के पूर्व उप कुलपति श्री रामदर्शन मिश्रा “राही” जी के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह साहित्य एवं शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उप मुख्यमंत्री ने राही जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है एवं ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति हेतु कामना की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब सफाई की गई

रीवा। मध्य प्रदेश जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई की टमस ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना में जल गंगा संर्वधन अभियान के तहत जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत ऊँचाडीह में खोखला तालाब में घाट की साफ सफाई की गई तथा ग्रामवासियो को नदी नाले कुएँ एवं हैडपम्प के आस पास साफ सफाई रखने,जल के स्त्रोत बचाये रखने एवं वृक्षारोपण, पर्यावरण को शुद्ध बनाये रखने एवं जल के आवश्यक उपयोग की शपथ ली गई। कार्यक्रम मे जल निगम से प्रबंधक (जनसभागिता) डॉ नन्द किशोर पचौरी, आंनद दुवे, आकाश सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर तथा स्टॉफएवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रोजगार मेला आजः विभिन्न कंपनियां करेंगी युवाओं का चयन

रीवा। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये जिला रोजगार कार्यालय एवं आईटीआई द्वारा संयुक्त रूप से 13 जून को रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन आईटीआई रीवा में किया जा रहा है। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में डिक्सॉन टेक्नोलॉजी प्रा.लि. नोएडा द्वारा तथा एमआरएफ टायर्स भरूच गुजरात द्वारा की कंपनियों द्वारा युवाओं का विभिन्न पदों के लिए चयन किया जाएगा। उप संचालक ने बताया कि आईसेक्ट (ग्रेट गेलियन वेन्चर्स लि., हेटिच इंडिया प्रा.लि. पीथमपुर, शक्ति पम्प इंडिया लि. पीथमपुर, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा.लि. इंदौर, सिगनेट इंड्रस्ट्रीज लि. पीथमपुर, एर्डोइट इंड्रस्ट्रीज इंडिया लि. पीथमपुर, पेरमली बिलेस प्रा.लि. भोपाल), एल एण्ड टी कान्स्ट्रक्सन स्किल्स अहमदाबाद गुजरात, रिलायंस लाइफ इंश्योरेन्स रीवा एवं प्रगतिशील बायोटेक रीवा द्वारा भी युवाओं का विभिन्न पदों के लिए चयन किया जायेगा। इच्छुक बेरोजगार युवा 13 जून को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। रोजगार मेले में शामिल होने वाली कंपनियों द्वारा युवाओं का विभिन्न पदों में चयन करने के लिए आयु, शैक्षणिक योग्यता तथा वेतनमान अलग-अलग निर्धारित किया गया है। युवक अपने साथ अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं पासपोर्ट साइज दो फोटो लेकर आयें।

मुख्यमंत्री के दौरे की व्यवस्थाओं के लिए अधिकारी तैनात

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 13 जून को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री रीवा नगर निगम क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे जल संवर्धन तथा संरक्षण के कार्यों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री लक्ष्मण बाग परिसर में आयोजित जनसंवाद सभा में आमजनों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव के दौरे की व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को तैनात किया गया है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि दौरे की समस्त व्यवस्थाओं, कानून व्यवस्था, रीवा एयरपोर्ट तथा हेलीपैड में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी को दी गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर कानून और व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। डॉ सोनवणे ने बताया कि एसडीएम हुजूर वैशाली जैन तथा नायब तहसीलदार हुजूर यतीश शुक्ला को मुख्यमंत्री के दौरे से संबंधित आदेश जारी करने, मुख्य कार्यक्रम स्थल में मंच व्यवस्था, सर्किट हाउस में व्यवस्थाएं तथा लोकार्पण एवं शिलान्यास के संबंध में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। एयरपोर्ट चोरहटा में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय को तैनात किया गया है। चोरहटा एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के आगमन से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक की व्यवस्थाओं के लिए संयुक्त कलेक्टर पीएस त्रिपाठी को तैनात किया गया है। लक्ष्मण बाग में संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी एसडीएम त्योंथर संजय जैन को सौंपी गई है। डॉ सोनवणे ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल होने वाले स्वयंसेवकों से जुड़ी समस्त व्यवस्थाएं जिला प्रबंधक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक संभालेंगे। रीवा एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा मुख्य कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा दल, एंबुलेंस आदि की व्यवस्थाओं के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तैनात किया गया है। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर मंच निर्माण, बैरिकेटिंग तथा ग्रीन रूम की व्यवस्था कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण करेंगे। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल को मुख्य कार्यक्रम स्थल से कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम स्थल में पेयजल की समुचित व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री पीएचई तथा महाप्रबंधक जल निगम को तैनात किया गया है। इसी तरह कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, साज-सज्जा, पार्किंग व्यवस्था, कन्या पूजन, मंच संचालन तथा दौरे से जुड़े अन्य कार्य के लिए संबंधित अधिकारी तैनात किए गए हैं।

आरोपी की गिरफ्तारी पर 20 हजार का ईनाम घोषित

रीवा। पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पाण्डेय ने फरार आरोपी आदर्श पाण्डेय आयु 24 वर्ष निवासी ग्राम दुआरी की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। यह ईनाम पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत घोषित किया गया है। आरोपी आदर्श पाण्डेय द्वारा अवैध अस्त्र-शस्त्र रखने तथा हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त है। वह घटना दिनांक से ही लगातार फरार है। उसे बंदी बनाने अथवा बंदी बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना देने वाले को ईनाम दिया जाएगा। ईनाम के संबंध में उप पुलिस महानिरीक्षक का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा।

पोलियो दिवस 23 जून को नौनिहालों को दो बूँद ज़िंदगी की अवश्य पिलायें- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि हमारा प्रदेश वर्ष 2008 से आज तक पोलियो मुक्त बना हुआ है। उन्होंने सभी नागरिकों और अभिभावकों द्वारा पोलियो से इस लड़ाई में प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है। लेकिन पोलियो अभी भी पड़ोसी देशों में है और फिर लौट सकता है। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश के समस्त नागरिकों, अभिभावकों से अपील की है कि अपने नौनिहालों की सुरक्षा में कोई चूक न होने दे तथा पोलियो दिवस 23 जून को दो बूँद ज़िंदगी की अवश्य दिलायें।

0 से 5 वर्ष के बच्चों को 23 जून को पिलायी जाएगी पोलियो ड्रॉप

उल्लेखनीय है कि बच्चों को डबल सुरक्षा देने के उद्देश्य से 23 जून को, प्रदेश के समस्त जिलों में, 0 से 5 वर्ष के बच्चों को, दो बूंद जिन्दगी की, देने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने समस्त नागरिकों से आह्वान किया है कि नौनिहालों को पोलियो की खुराक हर बार दिलाएं तथा पोलियो पर देश की जीत बनाए रखने में योगदान दें।

खबर संक्षेप

निखिल सोनी को कलेक्टर ने किया सम्मानित

कोतमा। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में नीट एवं जेईई मेन्स में चयनित 12 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि सभी विद्यार्थी सफलता के पहली सीढ़ी को पार किया है। अभी ऐसी अनेक सीढ़ियां है, जिन्हें पार करना बाकी है। सभी विद्यार्थी पूरे मनोबल से उन सीढ़ियों को पार कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करें और जिले का नाम रोशन करें। इस दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों के अभिभावकों से कहा कि बच्चों की काउंसलिंग अनिवार्य रूप से करवाएं तथा मन में अगर शंका है कि हमारा बच्चा हमसे दूर बड़े शहर में अकेले रहेगा तो वह कैसे अपने स्वास्थ्य एवं सुविधाओं का कैसे ख्याल रखेगा, इस बात का चिन्ता बिल्कुल न करें बल्कि उसकी सफलता की सीढ़ी बनें तथा उसे उच्च शिखर तक पहुंचाएं। चयनित विद्यार्थियों मे शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा के निखिल सोनी पिता रवि सोनी भी शामिल रहे जिन्हे कलेक्टर ने सम्मानित किया। इस दौरान अभिभावक व डीओ आरके मिश्रा भी उपस्थित रहे।

241 जर्जर शाला भवनों को किया गया ध्वस्त

अनूपपुर। जिला शिक्षा केन्द्र अनूपपुर के जिला परियोजना समन्वयक ने बताया है कि सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत जिले में संचालित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में नवीन शिक्षण सत्र प्रारंभ होने जा रहा है एवं जिला प्रशासन द्वारा बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यालय परिसर में अव्यवस्थित पुराने जीर्ण शीर्ण शाला भवनों को ध्वस्त कराते हुए मलबे को परिसर से दूर हटवाया गया है। विगत कई वर्षों से विद्यालय स्तर, संकुल स्तर, विकासखंड स्तर से जीर्ण शीर्ण शाला भवनों को हटाए जाने के प्रस्ताव एकत्र होते रहे हैं। जिला शिक्षा केंद्र से इन प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग प्रेषित किया गया एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए पात्र भवनों का जीर्ण शीर्ण प्रमाण पत्र जारी किया गया। जिला शिक्षा केन्द्र अनूपपुर के जिला परियोजना समन्वयक ने बताया है कि वर्तमान में विकासखंड अनूपपुर में 26, कोतमा में 36, जैतहरी में 66 एवं विकासखंड पुष्पराजगढ़ में 119, कुल 247 जीर्ण शीर्ण भवन चिन्हित किए गए थे। कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व का मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए इन चिन्हित जर्जर शाला भवनों को शाला प्रबंधन समिति एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से ध्वस्त कराए जाने का अभियान चलाया गया। विगत एक माह की समयावधि में 241 जर्जर भवनों को ध्वस्त करा लिया गया है। इसी तारतम्य में जिले के अन्य विद्यालयों में भी जर्जर एवं जीर्ण शीर्ण संरचनाओं का चिन्हांकन कर अग्रिम कार्यवाही प्रचलन में है। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा मलबा साफ कराए गए एवं बाउंड्रीवॉल युक्त विद्यालयों में पौधारोपण हेतु अभियान की कार्ययोजना भी तैयार की गई है।

आज व कल विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरूद्ध

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि संचा./संधा. उप संभाग अनूपपुर एवं राजेन्द्रग्राम अंतर्गत उपकेन्द्र शांतिनगर एवं कोतमा रोड में आने वाले 33 केव्ही लाईन में अति आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। जिसके कारण 13 जून को 33/11 केव्ही उपकेन्द्र शांतिनगर एवं अनूपपुर शहर के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं एवं अनूपपुर शहर के विद्युत उपभोक्ताओं के यहां तथा 14 जून को वितरण केन्द्र राजेन्द्रग्राम के अंतर्गत आने वाले समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां प्रातः 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगा।

जिले में फैल रही नशीली गोली व दवाइयों की महक

बिना पर्ची बिक रही दवाइयां, जिम्मेदार विभाग बेपरवाह

मुनाफे के लिए युवाओं को बना रहे नशेड़ी

जिले मे महंगे शराब की जगह पर सिरप और गोलियों का उपयोग आम हो चला है। आदतन नशा करने वाले युवाओं को मेडिकल संचालक भी बिना पर्ची और चिकित्सक के परामर्श के बगैर ही अपने मुनाफे को ध्यान में रखकर ऐसी दवाईयां धड़ल्ले से बेच रहे हैं।

फोर्टविन इंजेक्शन भी ले रहे

नशे के लिए फोर्टविन इंजेक्शन का इस्तेमाल करने की बात भी सामने आई है। यह इंजेक्शन डॉक्टर मरीजों का दर्द ठीक करने के लिए उपयोग करते हैं। इस दर्द निवारक इंजेक्शन का उपयोग गलत तरीके से किया जा रहा है। बिना डॉक्टर के लिखे यह दवा किसी को भी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। हालांकि इस नियम का शायद ही कहीं पालन होता है। कभी भी इस तरह की दवाई आसानी से दवा दुकानों से मिल जाती है। नशे की शुरूआत युवाओं में एक गोली से होती है। धीरे-धीरे इनकी संख्या 50-60 तक पहुंच जाती है। युवा इस नशे को पहले शौकिया तौर पर करते हैं, फिर लत बन जाती है। युवाओं को इन दवाओं का नशा करने से बचना चाहिए।

पंक्चर ट्यूब का भी चलन

बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन और खाली मैदानों में कचरा बीनने वाले बच्चे पंक्चर साल्यूशन को रूमाल में लगाकर मुंह से सांस लेते हैं, जिन्हें रोजाना देखा जा सकता है। अधिकांश मेडिकल स्टोर्स में बिना अनुमति के न सिर्फ ऐसी नशीली दवाईयों को रखा जा रहा है, बल्कि चोरी- छिपे सही पर युवा वर्ग के हाथों में थमा दिया जा रहा है। नशे के लिए लोग पंक्चर के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ट्यूब से किया जाता है। नशेड़ियों के लिए यह बहुत ही सस्ती चीज है और साइकिल दुकान में आसानी से मिल जाती है। इसके लिए दुकानदार खरीददार से कोई वजह भी नहीं पूछता और न ही खरीददार को बताना पड़ता है कि उसे ट्यूब किस काम के लिए चाहिए। नशा का यह माध्यम बहुत ही सस्ता है। इसका इस्तेमाल कूड़ा बीनने वाले, भिखारी, साईकिल रिक्शा चालक, स्कूली छात्र ज्यादातर करते दिखाई देते हैं।

यूं पड़ती है नशे की लत

कई बार बच्चों को समय न देना या जरूरत से अधिक सुविधाएं देना भी नशे का कारण बन सकता है। बच्चों के बीच आधुनिक वातावरण, परीक्षा में क्षमता से अधिक परिणाम की उम्मीद करना उन्हें नशे की राह पर ले जाता है। इस लत से बचाने के लिए अभिभावकों को अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहिए। स्टूडेंट एग्जाम के पहले नींद न आने की वजह से करते हैं दवा का उपयोग। इन दवाओं में हैं स्मेल न आने वाला नशा, इसलिए बढ़ रहा चलन। एक दिन में एक गोली से शुरूआत और फिर धीरे-धीरे 50 से 60 गोली लेने लगते हैं। याददाश्त कमजोर हो जाती है। यह नशा मानसिक रोगी बना देता है। यह लीवर और किडनी के लिए भी खतरनाक है।

अनूपपुर।

चिकित्सकों का मानना है कि जिन दवाओं का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में भी बहुत ही सोच समझकर किया जाता है उसका इस्तेमाल आसानी से किया जाना अपने हाथों से मौत को आमंत्रित किए जाने के समान है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग ने मेडिकल दुकानों की जांच कर ऐसी दवाईयों का जखीरा बरामद नहीं कर सका, जिसका उपयोग युवा वर्ग नशे के लिए करने लगे हैं।

जिले की हवाओं में नशीली गोलियां व दवाइयों की धीमी मौत की महक कुछ ज्यादा ही आ रही है। जिम्मेदार जानकर भी अंजान बन रहे हैं। जिले में इस समय युवा पीढ़ी खतरनाक तरह से नशे में लिप्त है। माता पिता अपने बच्चों को पालने पोसने में एवं शिक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ते क्योंकि उन्हें अपने बच्चों से बहुत आशाएं रहती हैं और एक बड़ी आशा के साथ अपना तन मन व धन न्यौछावर कर अपने बच्चों के भविष्य को बनाने के लिए समर्पित कर देते हैं। नशाखोरों ने बदबूदार शराब से निजात पाने का आसान विकल्प गोलियों और सिरप के तौर पर खोज लिया है। खांसी के लिए कोरेक्स और बेनाड्रिल नाम की दवाईयों का उपयोग किया जाता है लेकिन चिकित्सक के बिना परामर्श के इन दवाईयों का वितरण भी प्रतिबंधित है। चिकित्सकों के मुताबिक इन सिरप में अल्कोहल की मात्रा होती है और कफ को काटने के लिए सिरप में अल्कोहल का मिश्रण किया जाता है, जिसके चलते ही उम्र के लिहाज से सिरप की मात्रा बताई जाती है पर इन सारी बातों को दरकिनार करते हुए युवा वर्ग न केवल युवक बल्कि युवतियों में भी नशे की आदत बढ़ते जा रही है।

इन दवाओं को ले रहे युवा

चिकित्सकों के मुताबिक नाइट्रोवेट, विलियम 10, डाइजेपाम, एल्प्राजोलम, एल्जोलाम, विलीयम 5, पेक्सम, काम्पोस, मारफिन इन्सुलिन और कई ऐसी दवाईयां है, जिन्हें विक्रय तभी किया जाता है, जब कोई चिकित्सक उसके परामर्श दे, लेकिन यहां किसी भी मेडिकल स्टोर्स में बिना डॉक्टर्स की पर्ची से मिल जाता है। इसके अलावा शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे और नींद के लिए सीरप जैसे कोरेक्स, फैंसिडिल, फेनार्गन, बेनाड्रिल, टोसेक्स आदि का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा महानगरों की तर्ज पर स्टेशनरी दुकान में बिकने वाला व्हाईटनर और पंक्चर बनाने वाला साल्यूशन आदि का उपयोग भी धड़ल्ले से नशे के लिए किया जा रहा है। एलप्रेक्स ट्राइका, एटीवान, लोराजीपाम, रिवोट्रील क्लोनाजीपाम ऐसी दवाएं हैं, जिनका उपयोग नशे के लिए किया जाने लगा है। इन दवाओं को ज्यादातर नींद न आना, दर्द और तनाव को दूर करने वाले मरीज को दिया जाता है। लोग इन दवाओं को अपनी सहूलियत के लिए तो लेते हैं, साथ ही इनका प्रचार-प्रसार करने से भी पीछे नहीं हटते। जिससे इनका सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

शिव सागर धाम मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

चौथे दिन भक्ति में लीन होकर जमकर झूमे श्रद्धालु

कोतमा। व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। नगर के पुरानी बस्ती शिव सागर धाम मंदिर परिसर पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा आयोजन के चौथे दिवस पर पंडित नीलेश द्विवेदी ने यह बात कही। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया। श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।

पंडित नीलेश द्विवेदी ने सुनाई कथा- कथा व्यास नीलेश द्विवेदी ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं। जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल जयकारों से गूंजने लगा।

श्रद्धालु भक्ति मेंं लीन होकर जमकर झूमे- श्रीकृष्ण जन्म उत्सव पर नन्द के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर जमकर झूमे। एक-दूसरे को श्रीकृष्ण जन्म की बधाईयां दी गई। कथा महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भजन प्रदुम कर भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई। भागवत कथा के दौरान पत्रों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की सुंदर झांकी सजाई गई थी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

संपर्क एप महिलाओं के निजता को प्रभावित करता है- अंजली श्रीवास्तव

अनूपपुर।

गत दिनांक को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन के तत्वाधान में सैकड़ों कार्यकर्ता जिला कार्यक्रम अधिकारी अनुपपुर को प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे प्रमुख रूप से कॉमरेड अंजली श्रीवास्तव कामरेड जयंती मार्को कामरेड लीला बांधव एवं कामरेड सुशीला यादव के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया कार्यकर्ताओं की माँग है कि संपर्क ऐप तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए इससे महिलाओं की निजता प्रभावित हो रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शिशुओं को शिक्षित करने का काम करती हैं ताकि वो शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यालय में जा सकें किन्तु आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से सरकार समस्त प्रकार के शासकीय कार्य कराती है जो नियम विरुद्ध है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाए, कार्यकर्ताओं को पेंशन दिये जायें, सेवानिवृत्ति के बाद एक लाख पच्चीस हजार रुपये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को तथा एक लाख रुपया सहायिका को एक मुश्त दिए जाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं का मानदेय दोगुना किया जाए मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को पूर्ण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का दर्जा दिया जाए। रैली एवं प्रदर्शन मे कामरेड राउत राय ने काफी सहयोग किया रैली में अनुपपुर, कोतमा, जैतहरी एवं पुष्पराजगढ परियोजना से सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लिए उत्साहपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई को समाप्त किया गया।

अनूपपुर नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

एसपी सहित पुलिस अफसर जुटे जांच में

अनूपपुर।

नगर के वार्ड नंबर 10 भंडरी तालाब के पास रविवार की देर शाम 27 वर्षीय युवक का शव आम जनों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया इस दौरान कोतवाली पुलिस ने पंचनामा करते हुए कार्यवाही प्रारंभ की मृतक का शव सुनसान इलाके में औधे मुंह बड़ा होने से किसी अप्रिय घटना उसके साथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मृतक दो दिन पूर्व किराए के मकान से निकला रहा जिसकी खोजबीन मृतक की छोटी बहन एवं जिसके यहां काम कर रहा था का मालिक कर रहे थे सोमवार को पुलिस ने डॉक्टरों की टीम से मृतक के शव का पीएम की कार्यवाही कराई है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की मृत्यु का स्पष्ट कारण का पता नहीं चला है। घटना की स्थिति स्पष्ट करने के लिए कोतवाली पुलिस प्रत्येक बिंदुओं पर गहन तरीके से जांच कर रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अनूपपुर जिले के करणपठार थाना अंतर्गत अमदरी गांव के निवासी हरी सिंह मार्को का 27 वर्षीय पुत्र दानवेंद्र सिंह मार्को जो विगत 5-6 वर्षों से अनूपपुर नगर के वार्ड नंबर 14 निवासी राकेश सोनी के यहां ज्वेलरी दुकान के साथ अन्य मजदूरी का कार्य करता रहा है जो जिसकी विगत एक माह पूर्व शादी होने के कारण विगत चार-पांच दिन पूर्व अपने घर से काम करने के लिए अपनी छोटी बहन सोहानी सिंह के साथ अनूपपुर आकर किराए के मकान में रहता रहा है विगत तीन दिन पूर्व दिन में काम करने बाद यह युवक शाम से अचानक लापता हो गया जिसकी तलाश छोटी बहन एवं मलिक के द्वारा की जा रही थी भाई के नहीं मिलने पर छोटी बहन सोहानी सिंह मार्को रविवार की शाम कोतवाली थाना अनूपपुर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने गई थी। इसी बीच नागरिकों द्वारा अनूपपुर नगर के वार्ड नंबर 10 भंडरी तालाब के पास बगार मैदान में एक अज्ञात युवक का शव औधे मुंह स्थिति में पड़े होने की सूचना कोतवाली पुलिस को दिए जाने पर एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा,कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को देखने तथा मृतक की बहन के द्वारा बताए गए हुलिया अनुसार बहन को बुलाकर दिखाए जाने पर मृतक की पहचान दानवेद्र सिंह पिता हरीसिंह मार्को के रूप में हुई। मृतक का शव औधे मुह पड़े होने की स्थिति के कारण उसके साथ किसी अनहोनी घटना होने की संभावना की जा रही है घटना की गंभीरता को देखते हुए अनूपपुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवांर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मृतक की बहन एवं परिजनों के साथ अन्य लोगों से पूछताछ की वहीं सोमवार को पुलिस के द्वारा जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम के माध्यम से मृतक के शव का पीएम कराया है। प्रारंभिक जांच एवं जानकारी पर मृतक की मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है जिस पर कोतवाली पुलिस प्रत्येक बिंदुओं पर गंभीरता से जांच करने में लगी हुई है।

कलेक्टर ने अमरकंटक में विभिन्न सरोवरों का किया निरीक्षण

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के नगर परिषद अमरकंटक के कपिला सरोवर, वैतरणी सरोवर, गायत्री सरोवर एवं गायत्री सरोवर में चल रहे साफ सफाई, गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत अभी तक किए गए कार्यों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। जिले में "जल गंगा संवर्धन अभियान" के समापन 16 जून को गंगा दशहरे के अवसर पर बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाएगा। इस हेतु कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जिले के नगर परिषद अमरकंटक के रामघाट परिसर एवं अमृत वाटिका का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने पौधे, गड्ढे, पर्याप्त मात्रा में सहित अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में वृहद रूप से पौधरोपण होगा इसकी तैयारी भव्य रूप से होना चाहिए। इस दौरान अपर कलेक्टर अमन वैष्णव, सहायक संचालक उद्यान सुभाष श्रीवास्तव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमरकंटक चैन सिंह परस्ते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जल स्रोत का संरक्षण एवं संवर्धन हमारा दायित्व

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत औढ़ेरा के तालाब एवं जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत धरहरकला के गणेश आश्रम में स्थित बावड़ी, ग्राम पंचायत अमगवां में अमृत सरोवर तथा ग्राम पंचायत भेजरी के नुनघटी तालाब, ग्राम भरनी के अमरहा तालाब में "जल-गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत चल रहे साफ सफाई गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि जल स्रोतों को संरक्षित करने हेतु सभी नागरिक आगे आएं। जल स्रोत हमारे पूर्वजों के द्वारा दिया गया वरदान है इस वरदान का संरक्षण एवं संवर्धन करना हमारा दायित्व है। इस दौरान कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की जानकारी सचिव से प्राप्त की तथा तालाब का गहरीकरण कार्य वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार करने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटना की संभावना कम रहे। इस दौरान कलेक्टर ने तालाब में झाडियों की साफ सफाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत ओढेरा में चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारी एवं सचिव से प्राप्त की। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री अमन वैष्णव, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा श्री सुगंध प्रताप सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री गणेश पांडेय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ट्रेन से कटकर मृत हुई अज्ञात वृद्धा की नहीं हो सकी पहचान

पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दफना कर किया अंतिम संस्कार

अनूपपुर। विगत चार दिन पूर्व बिलासपुर-अनूपपुर रेल खंड के मध्य सोनमौहरी एवं बर्री गांव के बीच पगडंडी रास्ते से पैदल जा रही 50 से 60 वर्ष की अज्ञात वृद्धा ट्रेन की ठोकर से स्थल पर मृत हो गई थी जिसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए पहचान के प्रयास कर रही थी। चार दिन बाद भी विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जाने पर पहचान न होने की स्थिति में पुलिस के द्वारा सोमवार को ड्यूटी डॉक्टर से पीएम कराने बाद पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ता, कर्मचारियों के सहयोग से सोननदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम में अज्ञात वृद्धा मृतिका के शव को दफनाकर अंतिम संस्कार किया है। इस संबंध में बताया गया कि विगत 9 जून की दोपहर स्टेशन मास्टर अनूपपुर के द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर को सूचना दी गई की सोनमौहरी एवं अनूपपुर रेल खंड के मध्य किलोमीटर 872/5-3 के मध्य अज्ञात वृद्ध महिला जिसकी उम्र 50 से 60 वर्ष के मध्य रही है पगडंडी रास्ता से रेल लाईन पार करते अचानक ट्रेन की ठोकर से मृत स्थिति में रेलवे ट्रैक के बाहर पड़ी हुई है जिस सूचना पर कोतवाली थाना अनूपपुर के सहायक उप निरीक्षक रामनारायण तिवारी पुलिस दल के साथ स्थल पर पहुंचकर मृत बृद्ध महिला के शव का पंचनामा कर विभिन्न माध्यमों से पहचान किए जाने का प्रयास किया तथा मृतिका के शव को जिला अस्पताल के शव फ्रीजर में सुरक्षित रखाया गया किंतु निरंतर चार दिनों से पहचान के प्रयास के बाद भी पहचान न होने की स्थिति में सोमवार की दोपहर ड्यूटी डॉक्टर से पीएम कराने के बाद सोननदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम में नगर पालिका अनूपपुर के सौजन्य से जेसीबी मशीन के माध्यम से गड्ढा करा कर सहा, उपनिरीक्षक रामनारायण तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता अनूपपुर शशिधर अग्रवाल,पुलिस सहायता केंद्र के आरक्षक कमलेश प्रसाद, शव वाहन चालक गोपाल वर्मन, जेसीबी चालक गोपाल, जिला चिकित्सालय के प्लेम्बर महेश प्रसाद कोल, सफाई कर्मचारी शिवा बक्सरिया के सहयोग से दफनाते हुए अंतिम संस्कार किया गया है।